

**Great Joy**

The Believer's Blessings - (# 3)

January 17, 2021

**TEXT:** Acts 8:4-8 and 26-40

**KEY VERSE:** Acts 8:8

**Acts 8:8** And there was great joy in that city.

As Christians we should both have,  
and express, Great Joy.

1) \_\_\_\_\_ Of The Word.

2) \_\_\_\_\_ In The Faith.

3) \_\_\_\_\_ By The Spirit.

**Text:**  
**Acts 8:4-8,**  
**8:26-40**

**Key Verse:**  
**Acts 8:8**

4

1

---

---

---

---

---

---

---

---

**Key Verse:**

**And there was  
great joy in that city.  
(Acts 8:8)**

5

2

---

---

---

---

---

---

---

---

**Everywhere  
Christians go and  
preach the Gospel  
and others receive it,  
there is Great Joy.**

6

3

---

---

---

---

---

---

---

---

**The meek also shall  
increase *their* joy in the LORD,  
and the poor among men shall  
rejoice in the Holy One of Israel.  
(Isaiah 29:19)**

7

4

---

---

---

---

---

---

---

---

**For the kingdom of God  
is not meat and drink;  
but righteousness, and peace,  
and joy in the Holy Ghost.  
(Romans 14:17)**

8

5

---

---

---

---

---

---

---

---

**Great Joy  
The Believer's Blessings - (# 3)**

9

6

---

---

---

---

---

---

---

---

**If our Saviour  
has not provided for  
our every need,  
and given us all  
that He promised,  
including joy  
in this life,  
then who needs  
what we have?**

7

---

---

---

---

---

---

---

---

**22 But the fruit of the Spirit is love,  
joy, peace, longsuffering,  
gentleness, goodness, faith,  
23 Meekness, temperance:  
against such there is no law.  
(Galatians 5:22-23)**

8

---

---

---

---

---

---

---

---

**As Christians we  
should both have,  
and express,  
Great Joy.**

9

---

---

---

---

---

---

---

---

**1) Revelation  
Of The Word.**

43

10

---

---

---

---

---

---

---

---

**Then Philip opened his mouth,  
and began at the same scripture,  
and preached unto him Jesus.  
(Acts 8:35)**

44

11

---

---

---

---

---

---

---

---

**Then it says  
they began to preach  
the Word of God  
everywhere  
they went.**

45

12

---

---

---

---

---

---

---

---

**The entrance of thy words  
giveth light;  
it giveth understanding  
unto the simple.  
(Psalm 119:130)**

46

13

---

---

---

---

---

---

---

---

**When we share and  
witness and preach  
the Bible,  
God gives revelation  
and blessings  
to those who hear  
the Word and  
receive it  
into their heart.**

47

14

---

---

---

---

---

---

---

---

**27 But God hath chosen  
the foolish things of the world  
to confound the wise;  
and God hath chosen  
the weak things of the world  
to confound the things  
which are mighty;  
28 And base things of the world,  
and things which are despised,  
hath God chosen, *yea*,  
and things which are not,  
to bring to nought things that are:  
(1 Corinthians 1:27-28)**

48

15

---

---

---

---

---

---

---

---

**When you receive  
revelation from  
God's Word  
you should  
receive it  
with joy.**

49

16

---

---

---

---

---

---

---

---

**Whom having not seen, ye love;  
in whom, though now  
ye see *him* not, yet believing,  
ye rejoice with joy unspeakable  
and full of glory:  
(1 Peter 1:8)**

4:

17

---

---

---

---

---

---

---

---

**May we stir up  
a desire  
within ourselves  
to learn what God  
wants us to know.**

4:

18

---

---

---

---

---

---

---

---

**1) Revelation  
Of The Word.**

**2) Baptism  
In The Faith.**

4c

19

---

---

---

---

---

---

---

---

**And he commanded the chariot  
to stand still:  
and they went down  
both into the water,  
both Philip and the eunuch;  
and he baptized him.  
(Acts 8:38)**

53

20

---

---

---

---

---

---

---

---

**Baptism is  
a public profession  
of your faith and  
a proper response  
to your  
new-found faith.**

54

21

---

---

---

---

---

---

---

---



**Now when they heard *this*,  
they were pricked in their heart,  
and said unto Peter  
and to the rest of the apostles,  
Men *and* brethren,  
what shall we do?  
(Acts 2:37)**

55

22

---

---

---

---

---

---

---

---

**The steps  
of salvation  
are simple,  
but necessary.**

56

23

---

---

---

---

---

---

---

---

**Then Peter said unto them,  
Repent, and be baptized  
every one of you  
in the name of Jesus Christ  
for the remission of sins,  
and ye shall receive  
the gift of the Holy Ghost.  
(Acts 2:38)**

57

24

---

---

---

---

---

---

---

---

**Repent,  
be baptized  
and receive  
the gift of  
the Holy Spirit.**

58

25

---

---

---

---

---

---

---

---

**For by one Spirit  
are we all baptized into one body,  
whether *we be* Jews or Gentiles,  
whether *we be* bond or free;  
and have been all made to drink  
into one Spirit.  
(1 Corinthians 12:13)**

59

26

---

---

---

---

---

---

---

---

**For as many of you  
as have been baptized into Christ  
have put on Christ.  
(Galatians 3:27)**

5:

27

---

---

---

---

---

---

---

---

**Faith that God loves me.**  
**Faith that Jesus died for me.**  
**Faith that my sin**  
**has been forgiven.**  
**Faith that**  
**God's Word is true.**

**Christianity is**  
**a faith walk.**

5;

28

---

---

---

---

---

---

---

---

**1) Revelation**  
**Of The Word.**

**2) Baptism**  
**In The Faith.**

**3) Translation**  
**By The Spirit.**

5<

29

---

---

---

---

---

---

---

---

**And when they were**  
**come up out of the water,**  
**the Spirit of the Lord**  
**caught away Philip,**  
**that the eunuch saw him no more:**  
**and he went on his way rejoicing.**  
**(Acts 8:39)**

63

30

---

---

---

---

---

---

---

---

**One of the  
Believer's blessings  
is to be translated.**

64

31

---

---

---

---

---

---

---

---

**Jesus and  
his disciples  
were translated  
even before  
the resurrection.**

65

32

---

---

---

---

---

---

---

---

**Then they willingly  
received him into the ship:  
and immediately the ship  
was at the land whither they went.  
(John 6:21)**

66

33

---

---

---

---

---

---

---

---

**References:**

**Luke 24:30-32**

67

34

---

---

---

---

---

---

---

---

**He is not here:  
for he is risen, as he said.  
Come, see the place  
where the Lord lay.  
(Matthew 28:6)**

68

35

---

---

---

---

---

---

---

---

**References:**

**John 20:18-20**

**John 20:26-28**

69

36

---

---

---

---

---

---

---

---

**These three blessings  
of the Believers  
intensify the joy  
that we have  
in Christ Jesus.**

6:

37

---

---

---

---

---

---

---

---

**Concluding Verse:**

**1 Thessalonians 4:13-18**

6:

38

---

---

---

---

---

---

---

---

**1) Revelation  
Of The Word.**

**2) Baptism  
In The Faith.**

**3) Translation  
By The Spirit.**

6c

39

---

---

---

---

---

---

---

---

**As Christians we  
should both have,  
and express,  
Great Joy.**

73

40

---

---

---

---

---

---

---